

उच्च न्यायालय में कितने प्रकार की बेंच होती है और यह किन मामलों में सुनवाई करती है जानिए- Legal Advice



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

भारत की एकल न्यायिक व्यवस्था में उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय से नीचे हैं लेकिन अधीनस्थ न्यायालयों के ऊपर कार्य करता है। राज्य के न्यायिक प्रशासन में उच्च न्यायालय की स्थिति शीर्ष पर होती है।

उच्च न्यायालय की न्यायिक शक्ति— उच्च न्यायालय की न्यायिक शक्ति बहुत ही विस्तृत हैं लेकिन हम अपीलीय मामलों की बात करते हैं, जब कोई व्यक्ति जिला स्तर के न्यायालय के निर्णय से संतुष्ट नहीं होता है तो वह ऐसे निर्णय के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील कर सकता है। उच्च न्यायालय को यह शक्ति प्राप्ति है कि वह जिला न्यायालय के निर्णय पर विचार कर सके, यदि उच्च न्यायालय को जिला न्यायालय का निर्णय उचित न लगे उसे यह अधिकार है कि वह उस निर्णय को उलट कर उचित निर्णय दे।

उच्च न्यायालय की पीठ (बेंच)

मुकदमे की सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय में तीन प्रकार की बेंच या पीठ होती है जो निम्न हैं—

1. पूर्ण पीठ— यह पीठ (बेंच) तब बनाई जाती है जब उच्च न्यायालय के सामने कोई गंभीर मामला आता है।
2. खण्ड पीठ— इस पीठ में एक से अधिक न्यायाधीश होते हैं एवं कुछ विशेष मामलों के लिए ही यह पीठ बनाई जाती है।
3. एकल पीठ— इस पीठ (बेंच) में एक ही न्यायाधीश होता है एवं अधिकतर मुकदमे (मामले) एकल पीठ द्वारा ही सुने जाते हैं।

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों के कल्याण के लिए नहीं रखेंगे कोई कमी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

106 जिला स्तरीय पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में किया आधुनिक मेस का लोकार्पण



भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग के बालक-बालिकाओं को अब छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के कल्याण के लिए यह व्यवस्था लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत लगभग डेढ़ दशक में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को 13 हजार 500 करोड़ रुपए की सहायता राशि दी गई है। इन वर्षों में 5 करोड़ से अधिक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के 106 पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में 9000 विद्यार्थियों के लिए आधुनिक मेस सुविधा का लोकार्पण किया। इस पर 8 करोड़ 61 लाख रुपए की राशि व्यय हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्य की सराहना करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में छात्रावासों में आधुनिक सुविधाओं का

विकास किया जा रहा है। युवा भारत में मध्यप्रदेश सबसे युवा राज्य है, जहां पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की छात्राओं से चर्चा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर इंदौर, शाजापुर, उज्जैन, देवास, शिवपुरी, सतना और अशोकनगर के पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में रहने वाली बेटियों से बात की। छात्राओं ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें यह उपयोगी सुविधा उपलब्ध करवाई है। अभी गैस सिलेंडर की व्यवस्था अथवा भोजन के लिए अन्यत्र जाने में समय लगता था और खर्च भी अधिक हो जाता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को छात्राओं ने आधुनिक मेस सुविधा प्रारंभ करवाने के लिए धन्यवाद दिया।

पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने विभागीय छात्रावासों के समग्र

विकास का संकल्प लिया, जिसे वे पूरा कर रहे हैं। टर्नकी प्रोजेक्ट के तहत छात्रावासों में आधुनिक किचन और डाइनिंग हॉल की व्यवस्था की गई है। अब छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा उपयोगी है, जो अपने परिवार से दूर रहकर पढ़ाई के लिए आते हैं। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नियमित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध होने से विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति एकाग्र होंगे और ज्यादा अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। प्रदेश में अभी लगभग 9000 पिछड़ा वर्ग छात्रावास सीट्स हैं जिनमें 5200 बालकों और 3800 बालिकाओं के लिए रहने की सीट्स की व्यवस्था की गई है। जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों के प्रारंभ होने के बाद पहली बार विद्यार्थियों के लिए मेस व्यवस्था शुरू हुई है। यह विभाग के कार्यों में एक ऐतिहासिक कदम भी है।

क्या सरकार किसी संस्था के सदस्यों को निष्कासित कर सकती है- supreme Court case

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है एवं इसी के आधार पर कोई भी व्यक्ति अपना संगठन, समूह या संस्था आदि गठित कर सकता है। आइए जानते हैं कि क्या सरकार के पास ऐसा कोई अधिकार है जिसके चलते सरकार कोई कानून बनाकर संस्था के सदस्यों को निष्कासित कर सके। पट्टि सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण जजमेंट—

न्यायदृष्टान्त- दमयंती बनाम भारत संघ (1971) उक्त मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा अभिनिर्धारित किया कि संस्था बनाने के अधिकार का अनिवार्य रूप से यह अर्थ है कि संस्था बनाने वाले व्यक्ति को केवल उन्हीं व्यक्तियों से संबंध रखने का



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

अधिकार है जिन्हें वे स्वेच्छा से संस्था में स्वीकार करते हैं। कोई कानून (विधि) जिसके द्वारा स्वेच्छिक संस्था में प्रवेश दिए गए सदस्यों को बिना किसी विकल्प के बाहर कर दिया जाता है या कोई विधि स्वेच्छिक रूप से

शामिल होने वाले सदस्यों की सदस्यता हटा लेती है तब ऐसा प्रत्येक कानून संस्था बनाने के अधिकार का उल्लंघन करता है।

साधारण शब्दों में कहे तो कोई भी संस्था, संगठन, ट्रस्ट का अध्यक्ष (संचालक) या सरकार ऐसा कानून बनाकर संस्था के सदस्यों को नहीं हटाएगी जिसका कोई ठोस अर्थ न हो।

कोतमा में कचरे के ढेर में मिला नवजात का शव, इलाके में सनसनी; पुलिस ने शुरु की गहन जांच

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

जमुना-कोतमा क्षेत्र की जमुना कॉलोनी स्थित व्यस्त कोऑपरेटिव बाजार में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। डॉ. मजूमदार के क्लिनिक के सामने कचरे के ढेर में एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और घटना को लेकर गहरा दुख व आक्रोश व्यक्त किया।

सार्वजनिक स्थल पर मिला शव, लोगों में रोष प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाजार क्षेत्र में पड़े कचरे के बीच नवजात का शव दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। दिनदहाड़े सार्वजनिक स्थान पर इस तरह शव मिलने से क्षेत्र में चर्चा और चिंता का माहौल बन गया। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की पहचान करने की मांग उठाई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग नागरिकों का कहना है कि बाजार और आसपास लगे



सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नवजात को वहां कब और किसने छोड़ा। लोगों ने दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज किया मर्ग, जांच जारी भालूमाड़ा थाना प्रभारी राधिका भगत ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद तथ्य सामने आने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी

बैरागढ़ एलिवेटेड ब्रिज का सम्पूर्ण निर्माण अगले वर्ष मार्च तक हर हाल में पूर्ण करने के लोक निर्माण मंत्री के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंगलवार को विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ बैरागढ़ में निर्माणाधीन एलिवेटेड ब्रिज का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे निर्माणाधीन मार्ग का भ्रमण कर कार्य की भौतिक प्रगति, गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था, सर्विस रोड, तथा नागरिकों के आवागमन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री ने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान नागरिकों की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना विभाग तथा निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कमियों और अव्यवस्थाओं को 3 दिवस के भीतर दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य में बरती गई लापरवाही और विलंब के लिए अनुबंध की शर्तों के अनुसार पेनाल्टी लगाने को कहा। साथ ही बंद अथवा अव्यवस्थित स्ट्रीट लाइटों को चालू करने और निर्माण स्थल पर सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के



निर्देश दिए। सर्विस रोड की खराब स्थिति को देखकर इसे शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य ब्रिज का निर्माण पूरा होने तक सर्विस रोड ही नागरिकों के आवागमन का प्रमुख माध्यम है, इसलिए इसे सुरक्षित और सुगम बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सिविल अस्पताल के आसपास की अव्यवस्थाओं को तत्काल सुधारने तथा मरीजों, एम्बुलेंस और आम नागरिकों के

निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि अब ब्रिज का संपूर्ण निर्माण कार्य मार्च 2027 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। इस समय-सीमा में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्य की माइक्रो प्लानिंग करने की भी निर्देश दिए जिसमें पर्ट चार्ट के आधार पर एक्टिविटी प्लान

बनाने और इसके आधार पर साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता निर्माण कार्य की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करेंगे। कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन प्रत्येक 15 दिवस में मंत्री को प्रस्तुत किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि संत हिरदाराम नगर का यह मुख्य मार्ग अत्यधिक यातायात घनत्व वाला क्षेत्र है। ऐसे में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही से गंभीर दुर्घटना की संभावना हो सकती है। उन्होंने निर्माण एजेंसी को सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मंत्री ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात को निर्बाध बनाए रखने के लिए केवल उसी स्थान पर सेफ्टी बैरियर लगाए जाएं, जहां वास्तविक रूप से निर्माण कार्य चल रहा है। जिन स्थानों पर निर्माण कार्य नहीं हो रहा है, वहां से अनावश्यक बैरियर तत्काल हटाए जाएं, ताकि यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने निर्माण स्थल से मलबा एवं अन्य अपशिष्ट निर्माण सामग्री तत्काल हटाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के कारण

स्थानीय व्यापारियों एवं रहवासियों को होने वाली समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए तथा उनके आवागमन में अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो। ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि यातायात के अत्यधिक दबाव को देखते हुए निर्बाध आवागमन के लिए अपने स्तर से भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। ब्रिज पर वर्षा जल संचयन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। कहा कि लोक निर्माण विभाग 'लोक निर्माण से लोक-कल्याण' के ध्येय के साथ कार्य कर रहा है। विभाग की कार्यपद्धति में बड़ा बदलाव आया है। अब प्रत्येक निर्माण कार्य में गुणवत्ता, समयबद्धता, जवाबदेही और जन-सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना निर्माण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो और उसका लाभ नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक रूप से मिले।

'मेरे सपनों का भारत' प्रतियोगिता के होनहार छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा है कि 'आज की नई पीढ़ी के दिल में अपने देश के प्रति गहरा प्रेम और समर्पण साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का मुख्य उद्देश्य हमारे बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना को बढ़ाना है, जिससे वे एक मजबूत भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।' राज्यमंत्री सोमवार को भोपाल के गोविंदपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आनंद नगर में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था की सराहना की और बच्चों की प्रतिभा का उत्साहवर्धन किया। राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज

भारत विकास के नए आयाम तय कर रहा है। आज पूरा देश उनके बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। स्वच्छता अभियान की बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक साफ-सुथरा समाज ही एक स्वस्थ और मजबूत देश का निर्माण करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित किया है और उनके विचारों को अपनाकर ही हम एक समृद्ध भारत बना सकते हैं। राज्यमंत्री गौर ने भारतीय संस्कारों और मूल्यों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और अच्छे संस्कार ही पूरी दुनिया में भारत को एक अलग और खास पहचान दिलाते हैं। शिक्षकों और गुरुओं के सही मार्गदर्शन में आज का हर बच्चा आत्मविश्वास से भरा हुआ है और देश की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार है। समारोह में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को राज्यमंत्री ने पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यमंत्री ने सड़कों का निरीक्षण कर गड्डे तत्काल भरने और बंद स्ट्रीट लाइटें चालू करने के दिए निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अवधपुरी स्थित आदर्श विहार, रीगल टाउन, सरला स्टेट, न्यू फोर्ट कॉलोनी एवं कंचन नगर में सड़कों की स्थिति तथा मूलभूत नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मार्गों की जर्जर स्थिति, स्थान-स्थान पर उभरे गड्डे एवं खुले सीवेज नेटवर्क को देखकर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कार्यपालक एजेंसियों एवं ठेकेदारों की शिथिलता पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में सुधारात्मक कार्यवाही पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा आम नागरिकों को नहीं भुगतने दिया जाएगा। आगामी पर्वों एवं त्योहारों के दृष्टिगत नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं बाधा रहित आवागमन उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्डों का भराव कार्य तत्काल एवं पूर्ण मजबूती के साथ कराने



के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व एवं नगर निगम दल को सीमांकन कर सड़कों पर व्याप्त अतिक्रमण अविलंब हटाने तथा आवश्यकतानुसार मार्ग चौड़ीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि दिन के समय आमजन की आवाजाही एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए सड़कों के निर्माण एवं संधारण कार्य मुख्य रूप से रात्रिकालीन समय में निष्पादित किए जाएं। क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के संबंध में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बंद पड़ी समस्त स्ट्रीट लाइटों को आगामी 10 दिवस की निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से

चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने रहवासी क्षेत्र में नियमों के विपरीत संचालित गोदाम को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर सीलिंग की कठोर कार्यवाही करने के भी आदेश दिए। रहवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि मानसून पश्चात क्षतिग्रस्त मार्गों के स्थाई एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। स्थानीय निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर पालिक निगम भोपाल तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश स्थापना का राज्य स्तरीय समारोह लाल परेड ग्राउंड पर, कृषि पर केन्द्रित होंगी प्रदर्शनियां



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2026 समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। एक नवम्बर को वर्ष 2026 का मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कृषि विकास और किसान कल्याण पर केन्द्रित हो। उन्नत कृषि, प्राकृतिक खेती, कृषि में नवाचार आदि पर विशेष रूप से प्रदर्शनियां आयोजित की जाएं तथा कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने और उपलब्धियां अर्जित करने वाले कृषकों, उद्यमियों, युवाओं को सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर गतिविधियों के साथ ही जिलों में भी उत्साह और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सभी शासकीय भवनों पर स्थापना दिवस पर एक नवम्बर की रात्रि में रोशनी की जाए। प्रदेश की प्रतिभाओं को अपनी कला, योग्यता और क्षमता के प्रदर्शन का

मौका प्रदान करने के लिये कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। स्थापना दिवस समारोह प्रदेश का उत्सव है। राज्य और जिलास्तरीय कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के संबंध में मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। बैठक में बताया गया कि 71वें मध्यप्रदेश स्थापना समारोह का राज्य स्तरीय समारोह लाल परेड ग्राउंड में होगा। इसके अंतर्गत विकसित मध्यप्रदेश-2047, एक जिला-एक उत्पाद, मध्यप्रदेश के जननायक, प्रदेश की पारम्परिक कलाओं, मंदिर स्थापत्य, भारत की ऋषि परम्परा, प्रदेश में विरासत से विकास और कृषि के क्षेत्र में उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इस अवसर पर देशज व्यंजनों का मेला भी विशेष रूप से होगा। एक नवम्बर की शाम को भव्य स्तर पर सुगम संगीत पर

कार्यक्रम होगा। इसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर आकर्षक आतिशबाजी भी की जाएगी। स्थापना दिवस समारोह में जिला मुख्यालयों पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां, जिलावार उत्कृष्ट कार्यों और जिला उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, धर्मगुरुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वतंत्रता सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, शहीद सैनिकों के परिजन और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करने वाले स्व-सहायता समूहों, स्टार्ट-अप से जुड़े व्यक्तियों को विशेष रूप से आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए बैठक व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा व्यवस्था आदि के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पवई के पीड़ित संतोष अहिरवार को भू-अर्जन का मुआवजा दिलाने आगे आए इंजी. राहुल अहिरवार, जिला प्रशासन ने दिए जांच व कार्रवाई के निर्देश

पवई/पन्ना:

शोषितों और पीड़ितों की आवाज़ को मजबूती से उठाने में सदैव तत्पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद (इंडिया) के मध्य प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी इंजी. राहुल अहिरवार की सक्रियता से एक पीड़ित किसान को न्याय की उम्मीद जगी है।

?मामला पवई मध्यम सिंचाई परियोजना से जुड़ा हुआ है, जिसमें पवई निवासी संतोष अहिरवार (पिता-डिल्ली अहिरवार) की भूमि (खसरा क्रमांक 434/1 एवं 435/1) भू-अर्जन के तहत प्रभावित हुई थी। पीड़ित की अतिरिक्त भूमि खसरा क्रमांक 434/1 (रकबा 0.060 हेक्टेयर) भी परियोजना में प्रभावित हुई थी, लेकिन बीते 5 वर्षों से संबंधित विभाग के चक्कर काटने के बावजूद उसे केवल आश्वासन ही मिल रहा था और उचित मुआवजा राशि प्राप्त नहीं हो सकी थी।

?इस गंभीर समस्या को लेकर पीड़ित ने इंजी. राहुल अहिरवार के समक्ष अपनी व्यथा रखी। मामले को प्राथमिकता देते हुए इंजी. राहुल अहिरवार ने कलेक्टर पन्ना को पत्र लिखकर पीड़ित को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिलाने की पुरजोर मांग उठाई। ?इस मांग पत्र पर जिला प्रशासन ने त्वरित सज्ञान लिया है। अपर कलेक्टर (भू-अर्जन) जिला पन्ना द्वारा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन सभाग पन्ना को मूल आवेदन संलग्न कर निर्देशित किया गया है कि मामले की नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और कृत कार्रवाई से कार्यालय को अवगत



कराया जाए।

?प्रशासनिक स्तर पर शुरू हुई इस त्वरित पहल से पीड़ित पक्ष में न्याय की उम्मीद बंधी है। वहीं, इंजी. राहुल अहिरवार ने स्पष्ट किया कि वंचित और पीड़ित वर्ग के हक व अधिकारों की लड़ाई निरंतर जारी रहेगी और जब तक संतोष अहिरवार को उनका संपूर्ण हक नहीं मिल जाता, तब तक वे इस विषय पर नजर बनाए रखेंगे।

अनुसूचित जाति जनजाति के छात्रावास और आश्रम भावनाओं की हालत जर्जर नए भवन बनाने के साथ ही स्टाइपेंड बढ़ाया जाये - डॉ अग्र

भोपाल ग्वालियर



मध्य प्रदेश शासन आदिम जाति कल्याण विभाग अनुसूचित जाति जनजाति विभाग यह एक छात्रावास आश्रम की कहानी नहीं है मध्य प्रदेश के अधिकतर छात्रावास आश्रमों की यही हालत है कई जिलों की स्थिति है विदिशा की अकेले की नहीं ऐसा लगता है कि अब छात्रावास आश्रम नाम के रह गए हैं फॉर्मलिटी के लिए अनुसूचित जाति जनजाति का विकास केवल प्रचार में घोषणा में किया जा रहा है जमीनी हकीकत कुछ अलग है शिष्यवर्ती राशि भी शिक्षा विभाग राजीव गांधी मिशन

के जो छात्रावास हैं संचालित में है उनमें प्रति माह प्रति छात्र ?3500 मैसे हेतु खर्च किए जा रहे हैं शासन एक ही है लेकिन अनुसूचित जाति जनजाति के छात्रावास छात्रों के छात्रों को मात्र 1700 दिए जा रहे हैं तो यह भेदभाव है

कसस के संस्थापक प्रांताध्यक्ष डॉ जवर सिंह अग्र ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विभाग के दोनों मंत्री कुमार विजय शाह नागेंद्र सिंह चौहान तथा मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल के साथ-साथ प्रिंसिपल सेक्रेटरी गुलशन बामरा जी से मांग की गई है कि छात्रावास आश्रम ऑन की मरम्मत कराई जाए और जो छात्रावास आश्रम के भवन जर्जर हालत में हैं उनके लिए नए भवन बनाए जाएं और छात्रावास आश्रमों में जो शिष्यवर्ती की राशि दी जा रही है

मध्य प्रदेश भोपाल ग्वालियर 21 सितंबर 2026 आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ

(ष्ट्रस-कसस) का विस्तार करते हुए कसस के संस्थापक प्रांत अध्यक्ष डॉ जवर सिंह अग्र ने उत्तम कुमार बंसोेरिया ग्वालियर को ग्वालियर सभाग ग्वालियर का संभागीय अध्यक्ष, भारत सिंह कौरव को संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष ग्वालियर सभाग, धर्मेन्द्र सिंह परिहार को सतना जिले का जिला अध्यक्ष, लखन लाल राठौर को शिवपुरी जिले का जिला अध्यक्ष नारायण सिंह अहिरवार को गुना जिले का जिला अध्यक्ष, बृजेंद्र बाबू कूशवाहा को ग्वालियर जिले का जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार मौर्य को ग्वालियर जिले का कार्यकारी जिलाअध्यक्ष मनाया गया है तथा सभी नियुक्त अध्यक्षों को 15 दिवस में कार्यकारी का गठन कर प्रांत से अनुमोदित कराकर घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं ज्ञात रहे कि विभाग में अधिकारियों की मनमानी कमोशन खोरी और भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगाने तथा छात्रावास आश्रमों की समस्याओं का निराकरण कराने और शिक्षक अधीक्षक अध्यापक की समस्याओं को निराकरण करने के लिए कसस युद्ध स्तर पर अपनी योजना बनाते हुए शीघ्र बहुत बड़ी कार्रवाई करने के लिए आगे आ रहा है विभाग का एकमात्र संगठन है जो प्रदेश में वर्ष 2004 से कार्य कर रहा है सभी नवनिर्भुक्त अध्यक्ष होने अपनी नियुक्ति पर प्रांत का आभार व्यक्त किया है और विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने नवनिर्भुक्त अध्यक्षों को बधाई दी है



प्रधानमंत्री आवास योजना से हितग्राही अन्नी लाल रजक का पक्के घर का सपना हुआ साकार

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। 25 सितंबर 2026, प्रधानमंत्री आवास योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें गरीब परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपने सिर पर एक पक्की छत होना हर व्यक्ति का सपना होता है। स्वयं का पक्का मकान, जहां वह अपने परिजनों के साथ एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सके। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए पूरी जिन्दगी भर की पूंजी लगाने पर भी पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पाता। रायसेन जिले के ग्राम पंचायत छतरे जनपद पंचायत उदयपुरा निवासी श्री अन्नी लाल रजक भी उन हितग्राहियों में शामिल हैं जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। हितग्राही अन्नी लाल रजक कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। अब वह अपने परिवार के साथ बिना किसी परेशानी के प्रधानमंत्री आवास में रह रहे हैं। पुराने दिनों को याद कर अन्नी लाल रजक बताते हैं कि कच्चे घर में बारिश के मौसम में रहने में बहुत परेशानी होती थी। कच्चे घर से पानी टपकने के साथ ही सांप, बिच्छू आदि जहरीले जीवों का घर में घुस जाने का डर हमेशा बना रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें इन सब चिंताओं से मुक्त कर दिया है। श्री अन्नी लाल रजक ने पक्के आवास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।



शासकीय विधि महाविद्यालय में एनएसएस का 58वां स्थापना दिवस: तीन दिवसीय सेवा संकल्प अभियान सम्पन्न

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 58वें स्थापना दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्या, डॉ. अभिषेक सिंह, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक राजदीप सिंह भदौरिया, डॉ. ओम शर्मा, डॉ. हरिप्रकाश मिश्रा एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल सहित समस्त स्टाफ एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज ने संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाते हुए निःस्वार्थ सेवा करना सिखाती है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अपने आचरण और सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि पूर्व शिविरों के अनुभव अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व की सीख



देते हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

तीन दिवसीय आयोजन - - प्रथम दिवस- स्वयंसेवकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में राजदीप सिंह भदौरिया ने एनएसएस के उद्देश्य, मूल भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तार से जानकारी दी।

- द्वितीय दिवस- नशामुक्ति एवं जन-जागरूकता रैली निकाली गई और शासन की योजनाओं की जानकारी नागरिकों को दी गई। - तृतीय दिवस- स्थापना दिवस समारोह में पोस्टर प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथमेश दीक्षित ने द्वितीय तथा पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, प्रथम स्थान प्राप्त स्वयंसेवक को भी पुरस्कृत किया गया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक रोहित नोरिया ने एनएसएस की कार्यप्रणाली पर प्रस्तुति दी। मंच संचालन शुभम केवट ने किया। श्रेयांश मिश्रा, राज रघुवंशी, अनिकेत पचोरे, क्षमा यादव, नम्रता विनोदिया सहित स्वयंसेवकों का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में आनंद सिंह ने आभार व्यक्त किया।

अमर नाथ विद्या आश्रम में मची राधे-राधे की धूम, राधाष्टमी पर नन्हें बच्चों ने श्रीराधाकृष्ण के रूप में सभी का मन मोहा

मथुरा -

अमर नाथ विद्या आश्रम में राधाष्टमी के पावन पर्व को विद्यालय के विद्यार्थियों ने जोश व भक्तिभाव के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें फैसी ड्रेस प्रतियोगिता, बांसुरी मेकिंग, राधाकृष्ण के पोस्टर तथा माखन-मटकी बनाओ प्रतियोगिताओं में नर्सरी से कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चे सुबह जब राधाकृष्ण के रूप में विद्यालय आये तो विद्यालय का वातावरण राधे-राधे के नाम से गुंज उठा। शिशु विभाग के बच्चों ने राधाकृष्ण के स्वरूप में नृत्य किया तथा आध्यात्मिक लीलाएं करते हुये डिवाइन वॉक की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रख्यात कथावाचक पं. केशव आचार्य जी महाराज ने सभी को श्रीराधाष्टमी की शुभकामनाएं देते हुये बच्चों को राधारानी कृपा और महत्व विस्तार से समझाते हुये कहा कि "राधे मेरी स्वामिनी मैं राधे को दास, जनम-जनम मोहे दीजियो वृन्दावन को वास"। उन्होंने बच्चों को राधारानी के महत्व के बारे में बताते हुये कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि "कछु माखन को बल बढ़े, कुछ गोपन करी सहाय, राधाजी की कृपा से गिरिवर लिये उठाय"। अमर नाथ विद्या आश्रम के प्रधानाचार्य सुनील तिवारी ने सभी विद्यार्थी, शिक्षक तथा अभिभावकों को



श्रीराधाष्टमी की शुभकामनाएं देते कहा कि श्रीराधाकृष्ण ने ब्रजभूमि से सम्पूर्ण संसार को दिव्य प्रेम का संदेश दिया है। विद्यालय के समन्वयक शुभम वाजपेयी ने बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सर्वधर्म की शिक्षा भी प्रदान की जाती, जिससे बच्चों में अध्यात्मिक भावना तथा भारतीय संस्कारों का भी विकास होता है। प्रशासनिक अधिकारी सुयश वाजपेयी ने सभी को

श्रीराधाष्टमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पूर्व में विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने दर्जनों नन्हें-मुन्ने छात्रा-छात्राओं ने श्रीराधाकृष्ण के युगल स्वरूप का रूप धारण कर सभी का मन मोहा लिया। इस अवसर पर अनुराग शर्मा, असलम खान, सुषमा साहा, ज्योति सिंह, काजल साहा, नन्दिनी शर्मा, स्नेहा खण्डेलवाल सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में सेवा संकल्प अभियान: विद्यार्थियों ने लिया हरियाली और जल संरक्षण का संकल्प



पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम में आज दिनांक 22 सितंबर 2026 को प्राचार्य डॉ. रामकुमार चौकसे के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के. मिश्रा ने पौधारोपण कर प्रत्येक विद्यार्थी को एक-एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल कर हरियाली निर्माण की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार से पधारे श्री उमेश कुमार सिंह, श्री विश्वकर्मा एवं श्री तुलसीराम बावरिया ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के विभिन्न उपाय, वर्षा जल संचयन और पौधों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. संतोष अहिरवार एवं डॉ. केशव मिश्रा ने जल संरक्षण की वर्तमान उपयोगिता पर प्रकाश डाला, वहीं डॉ. कल्पना विश्वास ने हरियाली से ही जीवन है का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. मालती पटेल, डॉ. रीना सक्सेना, डॉ. एस.के. झा, डॉ. ज्योति बैरागी सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

'सावित्रीबाई फुले' 'रंग फुलकारी नाट्य महोत्सव' भोपाल. 24 सितंबर 2026 को नाटक संपन्न हुआ

संस्था के बारे में- यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी संस्था पिछले 16 वर्षों से भोपाल मध्य प्रदेश में रंग कर्म के क्षेत्र में सक्रिय है संस्था ने अलग-अलग विषयों पर मौलिक हिंदी नाटक लिखना और उसको तैयार कर उनका मंचन प्रदेश के अनेक शहरों में भी किया है साथ ही संस्था बाल रंगमंच में भी समान रूप से कार्य कर रही है ताकि भावी रंगकर्मी तैयार हो सके संस्था मालवी बोली व माच पर विशेष रूप से कार्यरत है

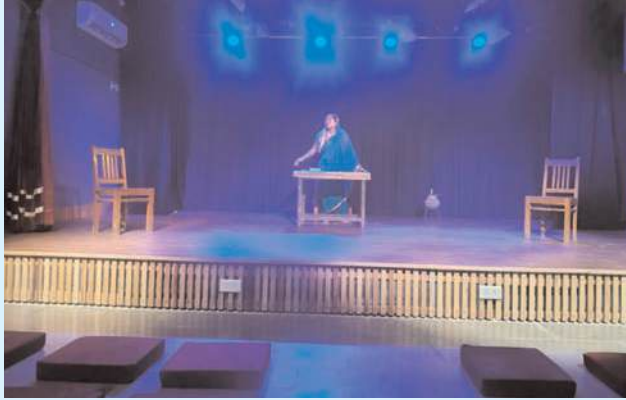
संस्था के प्रसिद्ध नाटक- बाजीराव पेशवा, हवालात, दुलारी बाई, सद्गति, कंजूस, ब्रह्मराक्षस का नाई, ध्रुवस्वामिनी, अजीजानबाई, उसने कहा था, सीताराम कुंवर आजादी, तीन दिवसीय रंग फुलकारी उत्सव, मस्करी फेस्टिवल, भारतकी संस्कृति, आजादी का अमृत महोत्सव,, दो दिवसीय रंग फुलकारी नाट्य उत्सव रीड की हड्डी तीन दिवसीय रंग फुलकारी नाटक, लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, नमक का दरोगा, बुढ़ी काकी, आखिरी पत्ता, कविता ऑफ द रिकॉर्ड, लेखक, बड़े भाई साहब, लासित बोरफुकान, गुण्डाधुर हवालात, आदि है निर्देशिका - सुश्री रेणुका बरमैया

मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल के 2011- 12 प्रथम सत्र से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्रा के रूप में रेणुका बरमैया या अभिनय में आगे बढ़ती हुई आज भी रंगमंच में सक्रिय है मध्य प्रदेश के जिला छिंदवाड़ा में निवास स्थान रहा है वर्तमान



में भोपाल में ही निवास करते हुए अभिनय एवं निर्देशन का कार्य जारी है विगत 20 वर्षों से नाटकों में रामलीला, दुलारी बाई, सज्जनता, सवा शेर गेहूँ, खामोश अदालत जारी है, शराफत की ऐसी की तैसी, एक लड़की पांच दीवाने, रसिक संपादक, मटिया बुर्ज, (गृह नगर छिंदवाड़ा में) नाट्य विद्यालय भोपाल में गगन दा मामा बाज्यो, तलघर तीन महेरिया, (रंग विदूषक में) नयन नाचिया सौदागर, वरुण के बेटे, तुझे पे तुका, किस अवंती के अन्य नाटक बिरसा मुंडा, अरेवा परेवा, बेहतर है मौत क्रांति यात्रा, कश्मीर जन्नत की कयामत, ओरछा के राजा राम आदि में अभिनय छ

निर्देशन एवं अभिनय- मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल के इंटरनशिप अनुदान योजना के अंतर्गत कर नाटकों का निर्देशन एवं नाटकों में अभिनय किया तीन डायने,



देवी, बोलना जंगल, गिद्ध, जीत गई सच्चाई, एवं नाटक दीपदान का सह - निर्देशन किया वर्तमान समय में एकल नाटक प्रस्तुति के तहत- हां मैं सावित्रीबाई फुले- का निर्देशन एवं एकल अभिनय कर कर प्रस्तुति दी साथ ही पहली बार 2012 में आर्ट फिल्म फाइट पेपर फिल्म फेस्टिवल के लिए मैं अभिनय कार्य के पश्चात ईटीवी के दस्ताने जुर्म वारदातें तथा क्राइम पेट्रोल केद्य एपिसोड आदि। कथासार - हमारा नाटक सावित्रीबाई फुले के जीवन के कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्यों को दर्शकों के सम्मुख रखता है की कैसे उन्होंने ऐतिहासिक मिसाल कायम की भारत की पहली महिला शिक्षित और समाज सुधारक थी समानता के अधिकारों अधिकार के लिए अविस्मरणीय कार्य किया 1848 में पुणे में पहला बालिक

का विद्यालय खोला और जातिवाद व छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई जिसके लिए उन्हें भारी विरोध और अपमान सहना पड़ा लेकिन में शिक्षा को सशक्तिकरण का हथियार मन कर चली छ मुख्य योगदान और कार्य- महिला शिक्षा उन्होंने भारत में महिला शिक्षा की नींव रखी 1848 में भिडेवाड़ा पुणे में पहला बालिका विद्यालय शुरू किया जहां भी खुद पहली शिक्षिका बनी छ सत्यशोधक समाज 1873 में ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर इस समाज की स्थापना की जिसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से वंचितों को सशक्त बनाना था छ साहित्य वह एक कवित्री भी थी और उन्होंने शिक्षा के महत्व पर कई कविताएं लिखी जैसे शिक्षा और जाओ पढ़ो छ चुनौतियां जब वह पढ़ने जाती थी तो

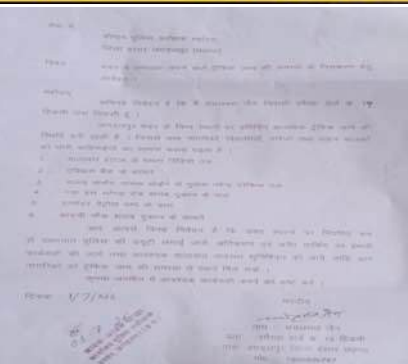
रूढ़िवादी लोग उन पर कीचड़ पत्थर और गोबर फेंकते थे लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी मृत्यु 1897 में फ्लैग से पीड़ित लोगों की उपचार में मदद की तत्पश्चात एक बच्चे को बचाते हुए वे खुद प्लेग रोग से संक्रमित हो गई थी छ और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया सावित्रीबाई फुले को आज भी भारत में नारी सशक्तिकरण और शिक्षा की मार्शल के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने समाज को बदलने के लिए शिक्षा को सबसे शक्तिशाली हथियार माना छ मंच पर - सुश्री रेणुका बरमैया, एकल अभिनय प्रस्तुति - दृष्टिमन रंग कला एवं समाज कल्याण समिति, भोपाल निर्देशिका एवं लेखक - सुश्री रेणुका बरमैया संगीत - दानिश हुसैन

हत्या से पहले ही प्रशासन को चेताया था मैंने : चंचलमल जैन



छत्तीसगढ़ जगदलपुर...

वरिष्ठ नागरिक श्री चंचलमल जैन जी ने पहले ही प्रशासन से शराब दुकान बंद करने की मांग की थी। यदि प्रशासन उस समय इस गंभीर शिकायत को गंभीरता से लेता, तो शायद आज यहां हत्या जैसी घटना नहीं होती! :- प्रशासन की अनदेखी पर उठे गंभीर सवाल-पहले चेताया था, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई।



मौत के बाद भी सम्मान न मिला नाटक सद्गति



भोपाल. यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी के तीन दिवसीय 8वां 'रंग फुलकारी' नाटक महोत्सव की शुरुआत दिनांक 23 सितंबर 2026 बुधवार को बॉक्स थिएटर अध्ययन भवन भोपाल में मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानी सद्गति के मंचन से हुई नाटक में 13 कलाकारों ने सामाजिक और समानता जातिगत भेदभाव और शोषण की कहानी को मंच पर उतारा रविंद्र मोरे के निर्देशन में करीब डेढ़ घंटे के नाटक में तेरा कलाकारों ने भाग लिया कहानी गरीब दलित व्यक्ति दुखी और गांव के पंडित घासीराम की है बेटी की शादी का मुहूर्त निकलवाने के लिए दुखी पंडित के घर जाता है बदले में उसे बिना मजदूरी के घर का काम कराया जाता है भूख प्यास कमजोर होने के बावजूद भी वह काम करते रहता है पर पंडित उसे लकड़ी काटने के लिए कहता है और लगती लकड़ी में



एक बहुत बड़ी गांठ होती है लगातार मेहनत करने के बाद उसे भूख भी लगती है बीच में पंडित के आंगन में ही दुखी की मौत हो जाती है और पंडित घासीराम उसके पैर में रस्सी को बांधकर शव को बाहर गांव के

बाहर घसीट ले जाता है और उधर से आकर अपने पूरे घर को शुद्ध करता है सद्गति के जरिए प्रेमचंद ने उसे सामाजिक व्यवस्था पर रंग किया है व्यक्ति को करने के बाद भी सम्मान नहीं मिलता

तेज रफ्तार कार पुल की रेलिंग तोड़ते हुए 40 फीट नीचे सोन नदी में गिरी, तीन युवक घायल, राहगीरों ने बचाई जान

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

जिला मुख्यालय में देर रात कलेक्टर बंगले के पास सोन नदी पुल पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की करीब 30 फीट लंबी लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए लगभग 40 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवक घायल हो गए। गनीमत रही कि कार नदी के ऐसे हिस्से में गिरी, जहां पानी की गहराई कम थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया जानकारी के अनुसार रजि. 65-ए-7111 नंबर की कार अनूपपुर से पसला की ओर जा रही थी। रात करीब 11:30 बजे सोन नदी पुल पर पहुंचते ही कार अनियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी। टक्कर के चलते कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सिटी गाइड खोजें हादसे के बाद मौके से गुजर रहे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए नदी किनारे उतरकर कार में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। इनमें



एक युवक को अपेक्षाकृत अधिक चोटें आई थीं। करीब 40 फीट की ऊंचाई से कार के नीचे गिरने के बावजूद तीनों युवकों का गंभीर रूप से घायल नहीं होना राहत की बात रही। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की

मदद से नदी किनारे गिरी कार को बाहर निकलवाकर थाना परिसर में खड़ा कराया। सुरक्षा के मद्देनजर पुल पर कुछ समय के लिए यातायात भी रोका गया, जिसे करीब आधे घंटे बाद बहाल कर दिया गया। एसआई कोमल अजरिया के अनुसार कार में सवार

अनुभव शुक्ला (32), रविश शुक्ला (30) और ऋषि तिवारी (26) शराब के नशे में थे। तीनों अनूपपुर के जमुडी और सकरा क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसे के संबंध में घायलों ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है।

आरबीएसके के माध्यम से आरव प्रजापति को मिला नया जीवन, मुंबई में हुई सफल हृदय शल्य चिकित्सा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा/रायसेन। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत रायसेन जिले के उदयपुरा क्षेत्र के बालक आरव प्रजापति की हृदय संबंधी समस्या की समय पर पहचान की गई। आवश्यक जांच एवं उपचार के लिए बालक को एसआरसीसी, मुंबई रेफर किया गया, जहां उसकी सफल हृदय शल्य चिकित्सा की गई।

इस पूरी प्रक्रिया में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. दिनेश खत्री सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल ओड के मार्गदर्शन में आरबीएसके टीम उदयपुरा एवं डीआईसी रायसेन की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आरबीएसके टीम द्वारा क्षेत्र में की जा रही स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों एवं स्क्रीनिंग के माध्यम से आरव की स्वास्थ्य समस्या का समय पर पता चला। इसके बाद आवश्यक जांच, परामर्श एवं रेफरल की प्रक्रिया पूर्ण कर उसे विशेषज्ञ उपचार के लिए मुंबई भेजा गया।

समय पर पहचान एवं उचित उपचार के फलस्वरूप आरव प्रजापति को स्वस्थ जीवन की नई उम्मीद मिली है। यह सफलता आरबीएसके कार्यक्रम के उद्देश्य - समय पर पहचान एवं समय पर उपचार - को सार्थक करती है।

सीएमएचओ डॉ. दिनेश खत्री ने आरबीएसके टीम उदयपुरा एवं डीआईसी रायसेन की टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार से गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है।

समय पर पहचान - समय पर उपचार - स्वस्थ बचपन की ओर एक कदम।

युवती का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार



हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

थाना-देवरी जिला रायसेन

दिनांक- 22.09.2026

थाना देवरी में अपराध क्रमांक ३३३/26 की कायमी उपरांत प्रकरण की विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दिनांक 09.09.2026 को आरोपियों द्वारा पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया।

प्रकरण में थाना देवरी पुलिस द्वारा वीडियो बनाने एवं सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी उत्तम लोधी, मनीष लोधी एवं प्रकाश कुर्मी को दिनांक 22.09.2026 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें उप जेल बरेली भेजे जाने हेतु रिमाण्ड प्राप्त हुआ।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी देवरी उनि शैलेंद्र सिंह तोमर, सजिन राम आशीष शर्मा, प्रधान आरक्षक 272 नरेन्द्र सिंह रघुवंशी, प्रधान आरक्षक 531 प्रताप सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक 404 राजेश पठारिया, प्रधान आरक्षक 59 सुरेश तांडिलकर, आरक्षक 662 अभिषेक, आरक्षक 619 अमित लोधी एवं महिला आरक्षक 717 मनीषा बट्टी की सराहनीय भूमिका रही।

मां की ममता पर भारी पड़ा संपत्ति का लालच, कलयुगी बेटे ने मां को फावड़े से उतारा मौत के घाट, संपत्ति-जेवर के लालच में किया ब्लाइंड मर्डर

कैलाश कुमार अहिरवार- सह संपादक (युवा प्रदेश)

सीधी पुलिस ने खोला राज शहडोल/जयसिंहनगर। जिस मां ने बेटे को जन्म दिया, उसी बेटे ने लालच में मां की जिंदगी छीन ली, खेत के बीच बने सुनसान घर में 55 साल की विधवा प्रेम बाई अहिरवार अकेली थीं। लेकिन उन्हें क्या पता था कि मौत बाहर से नहीं, बल्कि अपने ही घर से आने वाली है। फावड़े से सिर पर एक के बाद एक वार कर मां की हत्या कर दी गई। पुलिस के सामने था एक ब्लाइंड मर्डर, लेकिन जांच आगे बढ़ी तो शक की सुई अपनों पर आकर ठहर गई, आखिर संपत्ति, नगदी और जेवर के लालच में बेटे ने मां को क्यों मार डाला, सीधी पुलिस ने इस खौफनाक हत्याकांड का पर्दाफाश कर आरोपी बेटे कौशल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया है।

खेत के बीच बने घर में अकेली रह रही 55 वर्षीय विधवा महिला प्रेम बाई अहिरवार की हत्या की गुत्थी आखिरकार सीधी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के मुताबिक, महिला की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके ही बेटे कौशल अहिरवार ने संपत्ति, नगदी और जेवर के लालच में की थी। आरोपी ने मां के सिर पर फावड़े से कई वार कर उनकी



जान ले ली और मौके से फरार हो गया था। मामला सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम दैरन के बाहा टोला का है। प्रेम बाई अहिरवार, पति स्वर्गीय राम नारायण अहिरवार, अपने खेत में बने मकान में अकेली रहती थीं, उनके पति शिक्षक थे और वर्ष 2020 में उनकी मृत्यु हो गई थी, बताया जा रहा है कि पति की मौत के बाद प्रेम बाई खेत में ही मकान बनाकर रहने लगी थीं। परिवार में उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा उमरिया जिले के पाली में डाक विभाग में कार्यरत है, जबकि छोटा बेटा देवशरण गांव के पुराने मकान में अलग रहता है। 18 सितंबर की दरमियानी रात प्रेम बाई की घर में हत्या कर दी गई, सुबह घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को ब्लाइंड मर्डर मानकर जांच शुरू की। घटनास्थल

से मिले साक्ष्यों, परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ तथा तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस की जांच हत्या की कड़ी को परिवार तक ले गई। जांच में पुलिस को बेटे कौशल अहिरवार पर संदेह हुआ, पूछताछ में कथित तौर पर हत्या की वजह मां की संपत्ति, नगदी और जेवर का लालच सामने आया, पुलिस के अनुसार, कौशल ने फावड़े से मां के सिर पर कई वार कर हत्या की थी। बताया जा रहा है कि आरोपी कौशल के पिता शिक्षक थे और उनकी मृत्यु के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी, जिसके तहत वह स्कूल में भृत्य के पद पर पदस्थ था, पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल फावड़े सहित अन्य साक्ष्यों को जुटाकर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

प्रदेश में 25 सितम्बर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गडकरी बसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेशवासियों को देंगे सौगात

भोपाल (

प्रदेश में 25 सितंबर से सुगम यात्री परिवहन की दिशा में नया अध्याय लिखा जाएगा। लंबे अरसे बाद प्रदेश में सरकारी नियंत्रण में गांव से शहरों तक बसें दौड़ती नजर आएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत करेंगे।

प्रदेशवासियों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। इस सेवा से शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बस कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवा का विस्तार किया जाएगा। 7 शहरों की 351 बसों को दिखाई जाएगी हरी झंडी

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंटरसिटी बसों को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड शामिल हैं। शुरुआती चरण में इंदौर में 145 बसें जिसमें 50 इंटरसिटी और 95 इंटरसिटी, भोपाल में 106 बसें जिसमें 23 इंटरसिटी और 83 इंटरसिटी, जबलपुर के लिए 67 बसें जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंटरसिटी, रीवा में 18 इंटरसिटी बसें, देवास में 10 इंटरसिटी बसें, कटनी में 3 और भिंड में 2 इंटरसिटी बसों को हरी



झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

हर साल बढ़ाई जाएगी 2,500 से 3,000 बसें

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत वर्ष 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि पहले वर्ष यह लक्ष्य 1,500 बसों के संचालन का होगा। इसके बाद प्रतिवर्ष लगभग 2,500 से 3,000 बसें बढ़ाई जाएंगी।

पीपीपी मॉडल पर होगा बसों का संचालन मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दिया जाएगा। ये बसें आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी और सुरक्षा की

दृष्टि से अनुकूल रहेंगी। जन-निजी भागीदारी को गति देने के लिए पारदर्शी अनुबंध प्रणाली और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी। इस मॉडल अंतर्गत निजी बस ऑपरेटरों को विज्ञापन एवं कार्गो सेवाओं जैसे नॉन-फेयर रेवेन्यू से आय बढ़ाने के साथ ही आधुनिक डिपो और टर्मिनल सुविधाओं का उपयोग करने के अवसर मिलेंगे। बस संचालन को प्रभावी और सुचारु बनाने के लिए निजी ऑपरेटरों को प्रशासन का पूर्ण सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम में शामिल होंगे ये विशिष्ट अतिथि

शुभारंभ कार्यक्रम में परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, प्रभारी मंत्री भोपाल श्री चैतन्य काश्यप, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक हुजूर श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक बैरसिया श्री विष्णु खत्री, विधायक दक्षिण-पश्चिम श्री भगवान दास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक व अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन

सेवा की विशेषताएं

इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से बसों के संचालन, लोकेशन और समयबद्धता की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

मध्यप्रदेश यात्री परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं उसकी 7 सहायक कंपनियों में कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां से बसों की निगरानी की जाएगी। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सर्विलांस के लिए हर बस में सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल रहेगा।

आपात स्थिति में यात्रियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए बसों में पैनिक बटन की सुविधा होगी।

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के माध्यम से प्रत्येक बस की लाइव लोकेशन की जानकारी उपलब्ध होगी।

यात्रियों को बस के संचालन एवं यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पैसेंजर इनफॉर्मेशन सिस्टम की सुविधा दी गई है।

आधुनिक तकनीक और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के अनुरूप बस चालकों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र विकसित किया जाएगा।

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के माध्यम से निजी बस ऑपरेटरों की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

आधुनिक तकनीक, निगरानी प्रणाली और सुरक्षा सुविधाओं के माध्यम से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध परिवहन सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

केवई नदी स्टॉप डैम हादसे में ठेकेदार और इंजीनियर पर एफआईआर

13 वर्षीय शिवम गुप्ता की डूबने से हुई थी मौत, निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के आरोप

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

भालूमाड़ा। केवई नदी के पंप घाट में निर्माणाधीन स्टॉप डैम में 13 वर्षीय शिवम गुप्ता की डूबने से हुई मौत के मामले में भालूमाड़ा पुलिस ने ठेकेदार और इंजीनियर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामले को कोयलांचल समाचार ने प्रमुखता से उठाते हुए निर्माण कार्य में लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों की कमी का मुद्दा सामने रखा था। खबर के बाद अब पुलिस कार्रवाई होने से मामले में नया मोड़ आया है।

पुलिस के अनुसार 28 जून 2026 को गेट दफाई वार्ड क्रमांक 13 भालूमाड़ा निवासी शिवम गुप्ता अपने दोस्तों के साथ

केवई नदी के पंप घाट पर पिकनिक मनाने गया था। दोपहर करीब 3-30 बजे बच्चे टूटे हुए स्टॉप डैम के पास नहा रहे थे। स्टॉप डैम में लोहे की रॉड निकली हुई थी, जिसके सहारे बच्चों ने साड़ी बांध रखी थी। इसी दौरान साड़ी से हाथ छूट जाने के कारण शिवम गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। परामर्श सेवा दूढ़ें

मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि घटनास्थल पर नल-जल योजना के अंतर्गत स्टॉप डैम और इंटेक बेल का निर्माण कार्य चल रहा था। स्टॉप डैम टूटने के साथ उसके नीचे से रेत निकाले जाने के कारण वहां गहरा गड्ढा बन गया था।



पुलिस के मुताबिक निर्माण स्थल के आसपास बैरिकेडिंग, फेंसिंग, चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा गार्ड अथवा अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। जांच में यह भी सामने आया कि निर्माण कार्य मेसर्स सेंट्रल इंडिया इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर द्वारा पेटी कट्रेक्ट पर ठेकेदार पलास श्रीवास्तव को दिया गया था और कार्य की देखरेख इंजीनियर नीरज सेन कर रहे थे। पुलिस ने दोनों की लापरवाही को हादसे का कारण मानते हुए अपराध क्रमांक 280/2026, धारा 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। टेक कोर्स खोजें

कोयलांचल समाचार की खबर का असर शिवम की मौत के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारों की लापरवाही को लेकर कोयलांचल समाचार ने इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर के माध्यम से निर्माण स्थल पर खुले खतरे और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मुद्दा उठाया गया था। अब पुलिस द्वारा ठेकेदार और इंजीनियर के खिलाफ अपराध दर्ज किए जाने से इस खबर का असर देखने को मिल रहा है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राधिका भगत और सहायक उप निरीक्षक चन्द्रहास बांधेकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सुरक्षा उपकरण देखें

हस्स के सेवा संकल्प अभियान में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

छात्र-छात्राओं ने लिया स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, निकाली जागरूकता रैली

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

सागर। रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर की राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स) इकाई द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलसचिव प्रो. शक्ति जैन के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों ने स्वच्छ एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं को सेवा भावना एवं सामाजिक जिम्मेदारी की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय खिमलासा के ग्रंथपाल श्री सत्येंद्र कुमार आठिया ने कहा कि स्वच्छता



और पर्यावरण संरक्षण विकसित भारत 2047 के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. पवन खटीक ने सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति

जागरूक किया तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. रुचि राठौर, डॉ. उदित मलैया, डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित, डॉ. राजपाल सिंह, डॉ. श्वेता चौधरी, डॉ. इंद्रमणि कुशवाहा, श्री महेंद्र पटेल, सुश्री प्रगति बिल्थरे सहित विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भोपाल में अधिवक्ता से कथित मारपीट के विरोध में उदयपुरा के वकीलों ने सौपा ज्ञापन

अधिवक्ता संरक्षण कानून लागू करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग



हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में अधिवक्ता राकेश रावल के साथ कथित मारपीट एवं दुर्व्यवहार के मामले को लेकर उदयपुरा के अधिवक्ताओं ने नाराजगी जताई। अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर घटना में निष्पक्ष कार्रवाई तथा प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण कानून लागू करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं और अपने पक्षकारों के अधिकारों की पैरवी करते हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट, अभद्रता अथवा उनके पेशेगत कार्य में बाधा डालने की घटनाओं को

गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अधिवक्ताओं ने भोपाल की घटना का उल्लेख करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। साथ ही प्रदेश में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था बनाने और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग रखी गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान राजेश कटारे, पुरुषोत्तम दुबे, पुरुषोत्तम लोधी, रामकुमार नायक, देवेंद्र रघुवंशी, मिथलेश मेहरा, रसिक बिहारी रघुवंशी, सुनील दीक्षित, राजीव रघुवंशी, कविता रजक, अजय मिरोठा सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

डॉ. आर.के. गोस्वामी से पुस्तकालयाध्यक्षों ने की सौजन्य भेंट, पुष्पगुच्छ भेंट कर दी बधाई



हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

सागर। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग में डॉ. आर.के. गोस्वामी के अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, सागर संभाग, सागर के गरिमामय पद पर नियुक्त होने पर पुस्तकालयाध्यक्षों ने उनके कार्यालय पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इस दौरान पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

इस अवसर पर अतिरिक्त संचालक कार्यालय, सागर में पदस्थ विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. भावना यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भेंट के दौरान प्रांतीय महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष संघ के उपाध्यक्ष एवं

शासकीय महाविद्यालय खिमलासा के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सत्येंद्र कुमार आठिया, रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पवन खटीक, शासकीय महाविद्यालय शाहपुर, सागर के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री अमित दुबे तथा शासकीय महाविद्यालय राहतगढ़, जिला सागर के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री अजय चौधरी ने डॉ. गोस्वामी का अभिनंदन किया।

सभी ने डॉ. गोस्वामी को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस दौरान शिक्षा एवं महाविद्यालयीन पुस्तकालयों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई।

देवदूत बनकर पहुंचे आरक्षक मोनू शर्मा 17 वर्षीय किशोरी की बचाई जान, गोहपारू में गूंज रहे साहस और मुस्तैदी के चर्चे

कैलाश कुमार अहिरवार- सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/?गोहपारू। -खाकी सिर्फ फर्ज नहीं निभाती, जिंदगी भी बचाती है:-इस कहावत को मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम असवारी में तैनात डायल 112 के जांबाज आरक्षक मोनू शर्मा ने सच कर दिखाया। भोपाल कंट्रोल रूम से इवेंट मिलते ही आरक्षक मोनू शर्मा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए जिस मुस्तैदी और अदम्य साहस का परिचय दिया, उससे न केवल एक 17 वर्षीय मासूम की जान बची, बल्कि खाकी का सिर भी गर्व से ऊंचा हो गया।

?पलक झपकते ही लिया फैसला, बिना समय गंवाए पहुंचे मौके पर घटना 22 सितंबर 2026 की है, जब ग्राम असवारी निवासी देवती सिंह गोड़ (17 वर्ष), पिता रामबहोर सिंह गोड़, परिजनों द्वारा मोबाइल न दिलाने से नाराज होकर कुएं में कूद गईं। जैसे ही डायल 112 (सूत्रकू-17) को सूचना मिली, आरक्षक मोनू शर्मा और पायलट प्रभाकर मिश्रा बिना एक सेकंड का विलंब किए चीते की रफ्तार से मौके पर पहुंचे। ?आरक्षक मोनू शर्मा की तत्परता ने टाला बड़ा हादसा घटनास्थल पर पहुंचते ही स्थिति की



गंभीरता को देखते हुए आरक्षक मोनू शर्मा ने अभूतपूर्व सूझबूझ और जांबाजी दिखाई। एक-एक पल कीमती था, लेकिन आरक्षक शर्मा ने बिना झिझक के मोर्चे को संभाला। उनकी त्वरित सोच, साहसिक निर्णय और बिना पल गंवाए उठाए गए कदम के कारण ही किशोरी को सकुशल

कुएं से बाहर निकाला जा सका। यदि आरक्षक मोनू शर्मा पहुंचने में जरा सी भी देरी करते या सोचने में समय गंवाते, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

?पूरे इलाके में हो रही आरक्षक की भूरि-भूरि प्रशंसा- आरक्षक मोनू शर्मा की इस अदम्य कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा ने पूरे असवारी गांव और गोहपारू क्षेत्र के लोगों का दिल जीत लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर आज देवती सही-सलामत अपने परिवार के बीच है, तो इसका पूरा श्रेय आरक्षक मोनू शर्मा की त्वरित निर्णय क्षमता और देवदूत जैसी मुस्तैदी को जाता है। ?कुएं से निकालने के बाद आरक्षक मोनू शर्मा ने अपनी मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए किशोरी और

परिजनों की काउंसलिंग की और उन्हें जीवन का महत्व समझाया। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आरक्षक मोनू शर्मा के इस अनुकरणीय एवं साहसिक कार्य की मुककंठ से सराहना की जा रही है।